शाप *m.* (r. शप् exsecrari s. अ) exsecratio, maledictio. In. 5.53. Su. 2.15.

शायिन् (r. शी jacere, dormire suff. इन्) qui jacet *vel* dormit, jacere *vel* dormire assuevit, *in fine comp.* H. 1.34.

शार् 10. P. (दौर्बल्ये) debilem esse. *Cf.* सार्.

शारङ्ग v. सारङ्ग.

शारद (*f.* ई, a शरद् s. अ) 1) autumnalis. N. 13.44.: चन्द्रलेखा शारदी; Lass. 91.15.: सम्पूर्णशारदकलानिधिकान्तवक्त्रा. 2) recens. 3) non sibi confidens, modestus, pudibundus. Am.

शारीर (a शरीर corpus s. अ) corporalis. Bh. 17.14.

शार्ङ्ग (a शृङ्ग s. अ) 1) corneus. 2) *n.* arcus, *praesertim Sivi* arcus.

शार्ङ्गिन् *m.* (a praec. s. इन्) cognomen *Sivi.* Am.

शार्दूल *m.* tigris. N. 12.129. *In fine compp.* princeps, optimus. N. 13.44. *Vid.* ऋषभ. (Fortasse gr. πάρδος, πάρδαλις, lat. *pardus, pardalis,* lith. *pardas,* e κάρδος etc.)

शाल *m.* 1) nomen arboris. Su. 4.6. N. 12.3. 2) nomen piscis (Wils.: *a sort of gilt head,* Sparus spilotus). H. 2.18.

शाला *f.* 1) domus, casa, receptaculum. Dr. 3.9. N. 21.29. 2) stabulum. N. 19.11.21.6.

शालि *n.* oryza.

शालिन् (a शाला s. इन्) praeditus, *in fine compos.* Sa. 5.45.

शालिहोत्र *m.* (e शालि et होत्र) nom. pr. N. 19.28.

शाल्मलि *m. f.* nomen arboris, Wils. «*the silk cotton tree,* bombax heptaphyllum». Am.

शाल्मली *f. id.* Hit. 9.4.

शाल्व *m. plur.* nomen regionis (Wils.: *The inhabitants of the central division of India.* Hem. 4.23.) Sa. 2.7.7.3.

शाल्वेय *m. plur.* nomen regionis. Dr. 1.6.

1. शाव *Adj.* (a शव corpus mortuum suff. अ) mortuus. Sa. 5.61.

2. शाव *m.* pullus, catulus.

शावक *m. id.* Hit. 18.10.

शाश्वत (*fem.* ई, a शश्वत् semper s. अ) sempiternus. H. 2.21.

1. शास् 2. P. (शिष् gr. 363.420.613.632.; *part. fut. pass.* शिष्य, etiam शास्य, *part. pass.* शिष्ट, *gerund.* शिष्ट्वा et शासित्वा) 1) jubere. Ragh. 15.79.: कुरु निःसंशयं लोकम् ... इत्य् अशात् (v. gr. 322.). *Cum acc. pers.* Mah. 1.97.: शशास शिष्यम्. 2) regere. N. 26.38.: पुनः शशास तद् राज्यम्; Ragh. 19.57.: राज्ञी राज्यं विधिवद् अशिषत्. 3) docere *c. acc. pers. et rei.* Bh. 2.7.: शाधि माम्; Bhatt. 6.10.: यत्र तापसान् धर्मं सुतीक्ष्णः शास्ति. 4) punire. Man. 4.175.: शिष्यांश्च (schol. अनुशासनीयान्) शिष्याद् धर्मेण; 8.191.: ताव् उभौ चौरवच् छास्यौ; Up. 81.2.*infr.*: एषो ऽपराधी शासनीयः. 5) *A. in dial. Vêd.* implorare. Rigv. 30.10.: तन् त्वा वयम् ... शास्महे. — *Caus.* punire. Hit. 65.18.: कुट्टिनीच शासिता; Man. 4.175.: शासयेत्. (*Cf.* शंस्.)

c. अनु 1) jubere. R. Schl. II. 15.26.36.24.81.11.; Mah. 4.169.: अन्वशासन् नकुलङ् कुन्तीपुत्रो युधिष्ठिरः (अन्वशासत् pro अन्वशात्, cf. gr. 354.355.). 2) regere. Mah. 1.4124.: स्वराज्यम् अन्वशात्; 2.179.: राष्ट्रन् तवा 'नुशासन्ति मन्त्रिणः (pro °सति, v. gr. 363.). 3) docere. A. 1.9.: पिते 'व पुत्रान् अनुशिष्यचै 'तान्; Man. 6.86. 4) dicere, alloqui. Mah. 1.3884.: पुत्रम् ... अन्वशात्; 4.98.: नचा 'नुशिष्याद् राजानम् अपृच्छन्तम्. 5) punire. Man. 11.99.

c. अनु praef. सम् regere. N. 12.49.

c. आ 1) jubere. Bhatt. 6.4.: रक्षांसि रक्षितुम् सीताम् आशिषत्. 2) dicere, narrare. Bhatt. 6.27.: आयोधं वृत्तं लक्ष्मणाया 'शिषन् महत्. — *Vid.* 2. शास् praef. आ.

c. प्र 1) jubere. Mah. 2.2433.: राजन् किङ् करवामस् ते प्रशाध्य् अस्मान् त्वम् ईश्वरः; R. Schl. I. 20.18. 2) regere. N. 12.94. *Etiam cl.* 1. Mah. 3.1368.: महीम् प्रशासेत्; 2024.: कृत्स्नाम् प्रशासेम वसुन्धराम्; 10283: पृथिवीङ् कृत्स्नाम् प्रशासेत्.

2. शास् 2. *A.* c. आ fausta precari *alicui.* Man. 3.80.: ऋषयः पितरो देवाः ... आशासते कुटुम्बिभ्यस् तेभ्यः.